केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 300 सोमवार 25 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अवैध खनन पर पुलिस की कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्राली, जेसीबी जब्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध खनन के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में रविवार को गौर थाना प्रभारी अतुल कुमार अंजान ने अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई की।

टिनिच चौकी क्षेत्र के बलुआ कुंड में अवैध मिट्टी खनन की सूचना मिली थी। इस पर गौर थाना प्रभारी अतुल अंजान अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की दबिश पड़ते ही खनन में लगे माफियाओं में हड़कंप मच गया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अवैध मिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली और खनन में इस्तेमाल हो रही एक जेसीबी मशीन को जब्त कर लिया। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में लंबे समय से अवैध मिट्टी खनन का कार्य चल रहा था।

थाना प्रभारी अतुल अंजान ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस की इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में खलबली मच गई है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस के इस कदम की सराहना करते हुए अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

नहीं मिल रही है यूरिया खाद, किसान परेशान

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुवाई का सीजन शुरू होने से पहले ही यूरिया खाद की भारी किल्लत सामने आई है। निजी दुकानों और सरकारी गोदामों से यूरिया खाद गायब होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खाद न मिलने के कारण किसान परेशान हैं और यूरिया के लिए ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय तक चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कई निजी दुकानों और सरकारी गोदामों पर ताले लटके होने से किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

यूरिया खाद की इस कमी से बड़े पैमाने पर कालाबाजारी की आशंका जताई जा रही है। किसानों को मजबूरन अधिक दामों पर यूरिया खाद खरीदनी पड़ रही है, जिससे उनकी खेती की लागत बढ़ रही है। सीजन से पहले यूरिया खाद का गायब होना कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। यदि जिम्मेदार अधिकारियों का यही रवैया रहा, तो किसानों को यूरिया खाद के लिए भविष्य में और अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

स्थिति यह है कि पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की तरह अब यूरिया खाद के लिए भी किसानों को लंबी कतारें लगानी पड़ सकती हैं, जिससे खेती–किसानी बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

इस संबंध में स्थानीय कृषि अधिकारी (एडीओ एजी) रमेश कुमार पाठक ने बताया कि जिले में उर्वरक की रैक नहीं आ रही है, जिसके कारण यह समस्या बनी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उर्वरक उपलब्ध होते ही सभी किसानों को मुहैया कराया जाएगा।

ईरान अपना यूरेनियम अमेरिका को नहीं सौंपेगा कहा– ये मौजूदा डील का हिस्सा नहीं

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी (आभा)। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम भंडार अमेरिका को नहीं सौंपेगा। रॉयटर्स के मुताबिक, एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा है कि मौजूदा शुरुआती समझौते में परमाणु मुद्दा शामिल ही नहीं है।

सूत्र के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम भंडार पर बातचीत बाद में अंतिम समझौते के दौरान होगी। फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि यूरेनियम देश से बाहर भेजा जाएगा।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान को हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखने नहीं देगा। उन्होंने कहा था कि हम उसे हासिल करेंगे, इसे ईरान को नहीं रखने देंगे।

हाल के दिनों में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ईरान अपना यूरेनियम भंडार छोड़ने को तैयार हो गया है। हालांकि अब ईरानी पक्ष ने इन खबरों को खारिज कर दिया है।

अमेरिका ईमानदार नहीं– ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने आसिम मुनीर से मुलाकात में कहा कि अमेरिका ईमानदारी नहीं दिखा रहा, ईरान अपने अधिकारों पर समझौता नहीं करेगा।

ईरान वार्ता में इजराइल की भूमिका घटी– न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प सरकार ने ईरान वार्ता में इजराइल की भूमिका सीमित कर दी, जिससे प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बड़ा राजनीतिक झटका लगा।

ट्रम्प की बेटी को हत्या की धमकी– एफबीआई ने इवांका ट्रम्प को कथित हत्या की धमकी देने वाले इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल–सादी को गिरफ्तार किया है।

एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा है कि तेहरान ने अपने एनरिच्ड यूरेनियम को सौंपने पर सहमति नहीं दी है। अधिकारी के मुताबिक ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी अमेरिका के साथ शुरुआती समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दे पर अंतिम समझौते के लिए आगे बातचीत होगी, इसलिए यह मौजूदा डील में शामिल नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया था कि ईरान यूरेनियम छोड़ने पर सहमत हो गया है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया था कि इसे कैसे और किस प्रक्रिया के तहत हटाया जाएगा, इसका फैसला बाद की बातचीत में किया जाएगा।

वहीं एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक मसौदा समझौते में ईरान ने परमाणु हथियार नहीं बनाने का वादा किया है। साथ ही यूरेनियम प्रोग्राम को रोकने और एनरिच्ड यूरेनियम को हटाने पर बातचीत करने की बात भी शामिल है।

ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तैयार हो रहे समझौते के मसौदे में कहा गया है कि यूएस और इजराइल ईरान या उसके समर्थक समूहों पर हमला नहीं करेंगे। इसके बदले ईरान भी ने और इजराइल पर पहले हमला नहीं करने का वादा करेगा। वहीं एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते में यह भी साफ किया गया है कि इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच चल रहा संघर्ष खत्म किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर हिजबुल्लाह फिर से हमला करता है या हमले की शुरुआत करता है, तो इजराइल को जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति होगी।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि कुछ घंटे में ईरान को लेकर और बड़ी जानकारी सामने आ सकती है। नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुबियो ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। रुबियो ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को निशाना बनाने की ईरान की धमकियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है।

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमले में 24 की मौत 82 घायल

इस्लामाबाद (आभा)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा–तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

धमाके के बाद रेलवे ट्रैक पर आग लग गई और ट्रेन के कई डिब्बे पलट गए। इस दौरान वहां खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई।

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं। जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है। यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है। यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है। हाल के सालों में बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों पर कई बड़े हमले हो चुके हैं। यह ट्रेन जिन इलाकों से गुजरती है वहां बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का दबदबा है, इस वजह से इस ट्रेन को कई बार निशाने पर लिया गया है।

प्रमुख नगर पंचायतों के लिये सरकारी बस चलवाये सरकार-सुमन यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग की जिला चेयरमैन सुमन यादव गुड्डन ने परिवहन मंत्री और जिलाधिकारी से मांग किया है कि बस्ती मुख्यालय से गायघाट, कुदरहा, बनकटी और बहादुरपुर मार्ग पर परिवहन निगम की बसें चलायी जाय।

सुमन यादव गुड्डन ने बताया कि गायघाट, कुदरहा, बनकटी और बहादुरपुर नगर पंचायत है इसके बावजूद परिवहन निगम की बसों का संचालन न होने से नागरिकों को ब्लाक मुख्यालय या अन्य प्रमुख स्थानों पर पहंचने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों को मजबूरन भारी भरकम किराया देकर निजी साधनों से यात्रा करनी

पड़ती है। बीमार मरीजों, प्रसूता महिलओं को अस्पताल पहुंचाने में भी असुविधा होती है। उन्होने सरकार से मांग किया कि नगर पंचायतों को परिवहन निगम से जोड़कर पर्याप्त बसों का संचालन कराया जाय जिससे नागरिकों को सुविधाजनक परिवहन का साधन उपलब्ध हो सके।

भाजपा का 400 शक्ति केन्द्रों पर एक साथ बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा जिला इकाई बस्ती द्वारा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक गतिशील तथा सशक्त बनाने के उद्देश्य से रविवार को सांगठनिक अभियान चलाया गया। जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में जिले के सभी 400 शक्ति केंद्रों पर एक साथ बैठकें संपन्न हुई।

इस महाभियान के तहत प्रत्येक शक्ति केंद्र पर संबंधित शक्ति केंद्र संयोजक, प्रभारी, प्रवासी तथा बूथ अध्यक्ष अनिवार्य रूप से मौजूद रहे। बैठकों में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा, केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ को और अधिक मजबूत करने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

'मन की बात' कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनना और सरल ऐप पर अपलोड करना अनिवार्य,नए मतदाताओं को जोड़नाकेंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों को घर–घर पहुंचाना,हर महीने के अंतिम रविवार को बूथों पर बैठक अनिवार्य,शक्ति केंद्र की बैठक भी सरल ऐप पर अपलोड करना अनिवार्य

जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा, 'बूथ जीता तो चुनाव जीता के मंत्र के साथ भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता मिशन मोड में है। शक्ति केंद्रों पर एक साथ ये बैठकें हर माह के आखिरी रविवार से पहले वाले रविवार को होंगी। हमारा लक्ष्य हर बूथ को डिजिटल व सांगठनिक रूप से अजेय बनाना है।'

इस अवसर पर राजेश पाल चौधरी, प्रत्यूष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्र, अखण्ड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव, दिलीप पाण्डेय, राम सिंगार ओझा, अमृत वर्मा, अभिषेक कुमार, प्रेम प्रकाश चौधरी, राजेंद्र राजभर, सुरेंद्र चौधरी, विनय यादव, प्रदीप निषाद, सुधाकर पाण्डेय श्नीरजश, विनय भरद्वाज, राकेश शर्मा, राधे श्याम कमलापुरी, रोली सिंह, सुनील सिंह, विनय शंकर मिश्रा, विजय पांडे, सत्येंद्र सिंह श्भोलूश, तारक जायसवाल, राजकुमार शुक्ल, श्याम बिहारी गौड़, ओमप्रकाश, ओंकार सिंह, शिवचरण जायसवाल, अमित चतुर्वेदी, जवाहरलाल जायसवाल, अमरनाथ शर्मा, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरवमणि त्रिपाठी, गिरिजेश यादव, जनक राम गौतम, सुधाकर विक्रम सिंह, सरजीत भारती, कर्मेंद्र चौहान, विजय भान सिंह, दुर्गेश अग्रहरि, संजय कुमार चौरसिया, विशुद्धानंद त्रिपाठी, लवकुश शुक्ल, सुरेश भट्ट, वेद प्रकाश तिवारी, जमुना पांडे, मनोज पाठक, शिवाप्रसाद चौधरी, दीपक उपाध्याय, दीपक सोनी, राकेश जायसवाल सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी, शक्ति केंद्र प्रवासी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने अलग–अलग शक्ति केंद्रों पर बैठक किया।

भाजपा शक्ति केन्द्र, बूथ प्रभारियों की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के दिशा निर्देश के अनुरूप पिकौरा बक्स शक्ति केन्द्र पर संयोजक, केंद्र प्रभारी, शक्ति केंद्र प्रवासी, बूथ अध्यक्षगण एवं "मन की बात" कार्यक्रम के बूथ प्रभारीगण के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को बूथ स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों की रूपरेखा तैयार की गई तथा सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि बैठक की जानकारी एवं गतिविधियों को सरल ऐप पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए।

संगठन की मजबूती एवं बूथ सशक्तिकरण हेतु सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रभारी एवं सभासद रमेश कुमार गुप्ता ने

कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के साथ ही पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता नागरिकों की समस्याओं के समाधान में सहयोग करें। कहा कि सांगठनिक मजबूती से ही लक्ष्य पूरे होंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता बड़े भाई राजन मिश्रा, वरिष्ठ युवा नेता सिद्धार्थ श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता, रवि प्रताप सिंह, बूथ अध्यक्ष राजेश गुप्ता , बूथ अध्यक्ष राम गुप्ता सहित भाजपा पदाधिकारी गण मौजूद रहे ।

रचनात्मक पहलः श्री राम जी का पेड़ा', 'श्री राम जी का झोला के साथ सोमवार को सामूहिक सोहर गायन का साक्षी बनेगा बस्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
–अनूप मिश्र–

बस्ती। बस्ती जिले में इस बार कुछ अलग होने वाला है. 25 तारीख को 'पहल संस्था' की ओर से एक ऐसा सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है, जो शायद लंबे समय तक याद रखा जाएगा. इस कार्यक्रम में 2100 माताएं और बहनें एक साथ पारंपरिक लोकगीत 'सोहर' का सामूहिक गायन करेंगी और यह आयोजन वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने जा रहा है।

कार्यक्रम के संरक्षक मनीष मिश्रा हैं, आयोजन की पूरी रूपरेखा और संचालन में जी.डी. मिश्रा, संजय मिश्रा और अमित चौबे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा पूर्वांचल की चर्चित लोक गायिका प्रतिमा यादव की उपस्थिति और प्रस्तुति इस आयोजन को और भव्य बनाएगी।

दरअसल यह कार्यक्रम किसी एक दिन की सोच का नतीजा नहीं है. मनीष मिश्रा की अगुवाई में 'पहल संस्था' पहले से ही ग्रामीण महिलाओं के साथ मिलकर काम करती आई है. स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 'श्री राम जी का पेड़ा' और 'श्री राम जी का झोला' जैसे पारंपरिक उत्पादों से जोड़ा गया, जिससे उन्हें

–2100 महिलाओ के सामूहिक सोहर गायन से बनेगा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोजगार भी मिला और आत्मनिर्भरता भी. अब उसी सफर को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को लोक संस्कृति से जोड़ने की पहल की जा रही है।

सोहर वैसे तो एक लोकगीत है, लेकिन इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं. यह गीत खुशी के मौकों पर, खासकर बच्चे के जन्म पर गाया जाता है और पीढ़ियों से घर–आँगन में गूँजता रहा है. 2100 महिलाओं का एक साथ इसे गाना सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं है, बल्कि उस परंपरा को एक बड़ा मंच देना है जो धीरे–धीरे सिमटती जा रही थी। आयोजकों का कहना है कि इसका मकसद लोक परंपरा को जिंदा रखना और महिलाओं को एक साझा सांस्कृतिक मंच देना है। बस्ती जैसे जिले में इस तरह का आयोजन महिला सशक्तिकरण और सामूहिकता के साथ सोहर गायन का समर्थ साक्षी बनेगा। इसे लेकर स्वाभाविक उत्सुकता है।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से परेशान हैं लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भीषण गर्मी के बीच अमहट उपकेंद्र से जुड़े करीब 11 हजार उपभोक्ता बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। उपकेंद्र पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था लगातार चरमराई हुई है, जिससे हर 10 मिनट पर फीडर ट्रिप हो रहा है और उपभोक्ताओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

इस समस्या से सबसे ज्यादा आवास विकास और जलकल फीडर से जुड़े लोग प्रभावित हैं। लो वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने के लिए उपकेंद्र पर लगा विद्युत कैपेसिटर बैंक लगभग ढाई साल से खराब पड़ा है, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है। अमहट उपकेंद्र पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने के दौरान कंट्रोल रूम का फोन लगातार बजता रहा और उपभोक्ता बिजली कटौती व ट्रिपिंग की शिकायतें करते रहे। टीम के पहुंचने के समय सभी

छह फीडर चालू थे, लेकिन करीब 10 मिनट बाद ही जलकल फीडर ट्रिप कर गया। इसके कुछ देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के चलते सभी फीडर बंद हो गए। हालांकि, तकनीकी कर्मचारियों ने कुछ समय बाद आपूर्ति बहाल कर दी, लेकिन बिजली आने–जाने का सिलसिला पूरी रात जारी रहा।

उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ राजीव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण बिजली का लोड काफी बढ़ गया है, जिससे बार–बार ट्रिपिंग हो रही है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उपकेंद्र पर स्टाफ की कमी है और उपलब्ध कर्मचारी भी समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे दिक्कतें और बढ़ रही हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 मई 2026 सोमवार

सम्पादकीय

बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद जिस स्तर पर वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हुई, उसका प्रभाव दुनिया के ज्यादातर देशों पर पड़ा है। भारत में भी आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से कई स्तर पर झटके लगे हैं, जिसका सीधा असर देश की आर्थिक संरचना पर पड़ा है। इसके बावजूद भारत ने अपने स्तर पर हालात से निपटने की कोशिश की है और यही वजह है कि आने वाले दिनों की चुनौतियों के समांतर कुछ सकारात्मक संकेत अब भी कायम हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादातर देशों को लगे आर्थिक झटकों के असर का दायरा अब भी फैल रहा है और शायद संयुक्त राष्ट्र की ओर से इन्हीं वजहों से भारत की विकास दर प्रभावित होने की आशंका जाहिर की गई है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हो सकती है।

निश्चित तौर पर यह भारत के लिए एक चुनौती भरा वक्त साबित हो सकता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने जिस तरह विकास दर में इस अनुमानित संशोधन के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बने रहने का आकलन पेश किया है, उससे एक उम्मीद भी पैदा होती है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद जैसी स्थितियां पैदा हुईं, उसका असर इस रूप में आने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। सच यह है कि न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अप्रत्याशित साबित हो रहे संकट का दायरा और भी विस्तृत हो सकता है, क्योंकि 2026 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान भी महज 2.5 प्रतिशत आंका गया है। यह छिपा नहीं है कि दुनिया के ज्यादातर प्रभावित देशों में इसकी वजह से विकास की रफ्तार धीमी हुई है और सभी जगहों पर महंगाई का दबाव तेजी से बढ़ा है। आम लोगों की क्रयशक्ति कमजोर होने का सीधा असर बाजार पर पड़ता है और उसका सिरा आगे उत्पादन क्षेत्र तक भी जाता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए नीति—निर्माण के मामले में विकल्प कम होते जाते हैं।

हालांकि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू—राजनीतिक तनाव, ऊर्जा कीमतों में उछाल और व्यापारिक अनिश्चितता का प्रत्यक्ष प्रभाव भारत समेत कई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। खासतौर पर ईरान और अमेरिका—इजराइल युद्ध से उपजे हालात में तेल आयात पर निर्भर बवनदजतपमे की चिंताएं बढ़ी हैं। सच यह है कि जिस तरह ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया, उसकी वजह से अन्य देशों के साथ—साथ भारत को भी इसका बड़ा खमियाजा उठाना पड़ा है।

भारत ने इसका विकल्प निकालने की कोशिश की है और तेल आयात के लिए अन्य कुछ देशों के साथ कूटनीतिक संवाद कायम किया है, लेकिन फिलहाल बाधित आपूर्ति शृंखला की वजह से अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ऐसे में ऊर्जा आयात के क्षेत्र में बढ़ती लागत और वित्तीय स्थितियों पर लगातार बढ़ते दबाव की वजह से अगर भारत की विकास दर भी चुनौतियों के बीच है, तो यह एक स्वाभाविक स्थिति है। मगर इसका सामना करना इस बात पर निर्भर है कि सरकार नए विकल्पों को लेकर कितनी स्पष्ट है और कितनी इच्छाशक्ति के साथ पहल करती है।

मौसम की दोतरफा मार

देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय भट्ठी बना हुआ है। उत्तर से लेकर मध्य भारत तक, ज्यादातर शहरों में औसत तापमान सामान्य से 3—5 डिग्री सेल्सियस ऊपर चल रहा है। फिलहाल राहत के संकेत नहीं है और अल—नीनो की वजह से मौसम आगे और कड़ी परीक्षा ले सकता है। विभिन्न इंटरनेशनल रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे।ॅभ्न की रिपोर्ट चेताती है कि देश के 50ः से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर श्बेहद अधिकश के स्तर तक पहुंच चुका है। 2015 से 2020 के दरम्यान लू वाले दिनों का औसत 7.4 दिन से बढ़कर 32.2 दिन हो गया है, और यह लगातार बढ़ रहा है।

भारत में गर्मी अब हर साल एक नया रेकॉर्ड बना रही है। चिंताजनक बात यह है कि दिन तो तपते ही हैं, अब रातें भी राहत देने वाली नहीं रहीं। इस 20 तारीख को दिल्ली ने मई महीने में 13 साल की सबसे गर्म रात देखी, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। हाल के बरसों में हीटवेव की तीव्रता, उसका समय और सीमा अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। शहरों पर संकट ज्यादा है, जो घटती हरियाली, बढ़ते कंक्रीट स्ट्रक्चर और प्रदूषण की वजह से श्अर्बन हीट आईलैंड इफेक्टश झेल रहे हैं।

मौसम की यह मार दोतरफा है सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर। नैशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, 2025 में हीट स्ट्रोक के सात हजार से ज्यादा सस्पेक्टेड केस सामने आए थे। हालांकि माना जाता है कि भारत में हीट स्ट्रोक और उससे होने वाली मौतों का सही आंकड़ा रिपोर्ट नहीं हो पाता। देश की एक बड़ी आबादी मौसम का सीधा वार झेलती है। इनमें गिग वर्कर्स, दिहाड़ी मजदूर, स्ट्रीट वेंडर्स वगैरह हैं। घर बैठने से न इनका काम चलेगा और न देश का। इस मौसम में ये सबसे ज्यादा जोखिम में होते हैं। इनकी सुरक्षा के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे सार्वजनिक शेल्टर, पेयजल की व्यवस्था और जहां संभव हो वहां काम के घंटों में बदलाव।

गर्मी से कार्यक्षमता पर असर पड़ता है, काम के घंटे कम होते हैं और प्रॉडक्टिविटी भी घट जाती है। यह अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। डबझ्नपदेमल ळसवइंस प्देजपजनजम का आकलन है कि यही हाल रहा तो 2030 तक गर्मी की वजह से भारत की ळक्च् का 4.5ः प्रभावित होगा। ये सारे आंकड़े गंभीर चेतावनी हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से मौसम और बिगड़ने की आशंका है, बेहतर रहेगा अगर तैयारी पहले से हो।

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा—आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ—एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड—आधारित रियल—टाइम डेटा अपलोड, जियो—टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड—19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री—कोडेड विकल्प, ऑटो—फिल, रियल—टाइम वैलिडेशन और जियो—कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान—आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर—पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल "डिजिटल" होना पर्याप्त नहीं होगाय यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता—अनुकूल भी हो।

इसी कारण "ऑफलाइन—फर्स्ट" मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस—आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें।

डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड—19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं। भारत में बड़ी संख्या में लोग अस्थायी रूप से शहरों में काम करते हैं और अक्सर स्थायी पते से दूर रहते हैं। यदि जनगणना के दौरान वे अपने गांव या मूल निवास स्थान पर नहीं होंगे, तो उनकी गणना छूट सकती है। यही समस्या बेघर लोगों, फुटपाथ निवासियों और अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ भी हो सकती है। इसलिए डिजिटल प्रणाली को इतनी लचीली बनाना होगा कि गतिशील आबादी का सटीक आकलन किया जा सके।

जाति आधारित आंकड़ों का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील और जटिल है। भारत में हजारों जातियां और उप—जातियां हैं, जिनके नाम और सामाजिक पहचान क्षेत्र के अनुसार बदलते रहते हैं। यदि डिजिटल कोडिंग प्रणाली में मानकीकरण की कमी रही, तो गलत वर्गीकरण और डेटा असंगतता की समस्या पैदा हो सकती है। जातिगत आंकड़ों का सीधा संबंध सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि गंभीर विवाद का कारण बन सकती है। सरकार को इस विषय में अत्यधिक सावधानी, विशेषज्ञता और पारदर्शिता की आवश्यकता होगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है एन्यूमरेटरों का प्रशिक्षण। अनुमान है कि लगभग 30 लाख से अधिक गणनाकर्मियों की आवश्यकता होगी, जिनमें बड़ी संख्या स्कूल शिक्षकों की होगी। इन सभी को डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन संचालन, डेटा वैलिडेशन, साइबर सुरक्षा, नैतिकता और गोपनीयता के बारे में व्यापक प्रशिक्षण देना होगा। यदि प्रशिक्षण अपर्याप्त रहा, तो तकनीकी त्रुटियां और डेटा की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है। कई बार तकनीक की विफलता मशीन से नहीं, बल्कि उसके उपयोगकर्ता की अपर्याप्त समझ से होती है। इसलिए मानव संसाधन का सुदृढ़ प्रशिक्षण इस पूरी परियोजना की सफलता की कुंजी होगा।

साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की चिंताएं भी अत्यंत गंभीर हैं। जनगणना में नागरिकों की निजी जानकारी जैसे परिवार संरचना, शिक्षा, रोजगार, प्रवास इतिहास और संभवतः जातिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे। यदि यह डेटा साइबर हमलों, डेटा चोरी या राजनीतिक दुरुपयोग का शिकार हुआ, तो जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। विशेष रूप से चुनावी संदर्भ में डेटा के राजनीतिक उपयोग या दुरुपयोग की आशंकाएं भी बनी रहेंगी। इसलिए सरकार को डेटा एन्क्रिप्शन, सुरक्षित सर्वर, एक्सेस कंट्रोल और स्वतंत्र डेटा सुरक्षा ऑडिट जैसी मजबूत व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। साथ ही, नागरिकों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका डेटा केवल सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह जनगणना अत्यंत संवेदनशील होगी। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन हो सकता है। उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में अंतर के कारण संसदीय सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न राजनीतिक बहस का विषय बन सकता है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक बढ़ी है, तो उसे अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इससे संघीय संतुलन और राजनीतिक शक्ति वितरण पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना आवश्यक होगा।

तकनीक के अत्यधिक उपयोग से एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। यदि ।प् और ळप्ै आधारित प्रणालियों पर पूरी तरह निर्भरता बढ़ गई, तो स्वचालित त्रुटियां बड़े पैमाने पर प्रभाव डाल सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र की गलत जियो—मैपिंग या एल्गोरिदमिक वर्गीकरण हजारों लोगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए मानवीय निगरानी, थर्ड—पार्टी ऑडिट और स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य होगा। तकनीक को मानव निर्णय का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत की डिजिटल जनगणना 2027 वास्तव में एक अवसर और जिम्मेदारी दोनों है। यह देश को डेटा—आधारित शासन की दिशा में आगे बढ़ाएगी और योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक तथा सटीक बनाएगी। लेकिन इसकी सफलता केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इस बात पर निर्भर करेगी कि यह कितनी समावेशी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बन पाती है। यदि गरीब, प्रवासी, अशिक्षित और दूरस्थ समुदाय इस प्रक्रिया में प्रभावी रूप से शामिल नहीं हो पाए, तो डिजिटल जनगणना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल और पारंपरिक दोनों तरीकों का संतुलित मिश्रण अपनाए। जहां तकनीक गति और सटीकता प्रदान कर सकती है, वहीं मानवीय संपर्क सामाजिक समावेशन और विश्वास सुनिश्चित करता है। ऑफलाइन डेटा संग्रह, व्यापक प्रशिक्षण, मजबूत साइबर सुरक्षा, स्थानीय भाषाई समर्थन और स्वतंत्र निगरानी तंत्र इस परियोजना की सफलता के लिए आवश्यक होंगे। साथ ही, जनता को जागरूक करना और यह विश्वास दिलाना भी जरूरी होगा कि जनगणना उनके अधिकारों और विकास से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

अंततः, 2027 की डिजिटल जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं होगीय यह भारत के लोकतांत्रिक चरित्र, प्रशासनिक क्षमता और तकनीकी परिपक्वता की परीक्षा भी होगी। यदि भारत इतनी विशाल आबादी और विविधता के बीच सफलतापूर्वक डिजिटल जनगणना कर लेता है, तो यह विश्व इतिहास में एक अद्वितीय उपलब्धि होगी। यह भविष्य की नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक और उत्तरदायी बनाएगी। लेकिन इस तकनीकी क्रांति का वास्तविक मूल्य तभी सिद्ध होगा जब यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे भी समान रूप से प्रतिनिधित्व दे सके। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी जनसंख्या की सही पहचान और प्रत्येक नागरिक के विश्वास में निहित है। इसलिए डिजिटल जनगणना 2027 केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि समावेशी राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

गर्मी और लाइट की समस्या, दोषी कौन?

—मनोज सिंह—

पचास साल पहले गांव के बागीचों में इतने अधिक पेड़ थे कि दिन में ही बगीचों के बीच में पेड़ों की छाया के चलते अंधेरा जैसा आभास होता था जैसा सूरज डूबने के बाद होता है इन पेड़ों को 50 से 75 साल पहले हम लोगों के दो पीढ़ी के पहले के बुजुर्गो (बाबा श्री) और उसके पिता श्री द्वारा लगाया गया था,। उन पेड़ों के फलों का जिसने सबसे ज्यादा स्वाद लिया उन्हीं लोगों ने विगत 40 से 50 साल पहले आधुनिकता की दौड़ में शामिल होने के चक्कर में पूर्वजों की धरोहर फल दार और छाया दार पेड़ों को संजो नहीं सके

आधुनिकता का सफर 50 साल पहले दिया और लालटेन से शुरू हुआ था और लाइट, पंखा, कूलर , एसी तक पहुंचते—पहुंचते इंसान आरामदायक जीवन का आदि होता जा रहा है वही साइकिल के सफर से मोटरसाइकिल और कार तक सफर तय करते करते सुगर, वीपी, और अनेकों राज रोग पाल लिया क्योंकि संपन्नता ने बचपन के हम सफर सायकिल का साथ छोड़ दिया

अभी चालिस साल पहले पंखों की हवा में कूलर जैसी शीतलता महसूस होता था क्योंकि पर्यावरण इतना प्रदूषित नहीं था डी जे के कारण ध्वनि प्रदूषण और हृदय रोग हो रहे हैं लेकिन उसके लिए कोई धरना प्रदर्शन और विरोध समाज के लोग नहीं कर रहे हैं धर्म को अनेक रूप में लोग मानते हैं और मनाते हैं, लेकिन इस बात पर ध्यान देना होगा की 50 वर्ष पहले कितनी दुर्गा प्रतिमाएं रखी जाती थी और आज कितने हजार गुना रखी जा रही है और उन प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित कर दिया जाता है जिससे एक तरफ लगे पेंट से जल प्रदूषण होता है वहीं दूसरी तरफ नदियों के अंदर अतिरिक्त मिट्टी और अन्य बेकार सामग्री समाहित होती है जो बरसात के समय बहकर समुद्र में जा रही है और समुद्र का तल बढ़ता जा रहा है जो मानवता के लिए खतरा है लेकिन धर्म के नाम पर अधिकांश लोग मौन साध लेते हैं क्योंकि सच की आवाज उठाने वालों को नास्तिक मान लिया जाता है

एक पेड़ को लगाने में और उसे बड़ा करने में 3 से 5 साल लग जाते हैं वहीं सैकड़ो पेड़ काटने में 1 से 2 दिन नहीं लगता है वर्तमान समय में सरकारी आंकड़ों में भले लाखों और करोड़ों पेड़ कुछ जमीन पर और अधिकांश कागजों पर लगाए जाते हैं जबकि हर साल करोड़ से अधिक पेड़ काटे जा रहे हैं अगर समय रहते समाज के लोग इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं देंगे तो अभी खाना बनाने के लिए गैस सिलेंडर की परेशानी है आने वाले समय में जीवन रक्षा के लिए आक्सीजन ऑक्सीजन के सिलेंडर के लिए मारामारी होगी ।

प्रचंड गर्मी का प्रकापी अंधाधुन कट रहे पेड़ों के कारण हो रहा है लेकिन समाज के लोग अपने गर्मी का गुस्सा विद्युत विभाग पर जगह—जगह निकल रहे हैं जबकि हर ट्रांसफार्मर केंटो पर आवश्यकता से अधिक लोड बढ़ता जा रहा है दिन प्रतिदिन क्योंकि हर जनपद के बाजारों और कस्बों से प्रतिदिन ए सी और कूलर ,पंखा , इडेक्सन, अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण बिक रहे हैं आखिर यह दिन प्रतिदिन विद्युत भार ही बढ़ा रहे हैं विद्युत कर्मी इस विकट गर्मी के मौसम में आए दिन जगह—जगह ट्रांसफार्मर के फ्यूज को सिडडाउन लेकर ठीक कर रहे हैं लेकिन समाज के लोग उन कमियों पर ध्यान नहीं देते हैं जिनके कारण यह समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है समाज के पास विरोध करने के लिए धरना देने के लिए समय बहुत है लेकिन एक साथ संगठित होकर पौधों को लगाकर उनकी सेवा करने का जज्बा नहीं देखने को मिलता है । आने वाली पीढियां के लिए हम अच्छे—अच्छे मकान बना रहे हैं गाड़ी और घोड़ा ला रहे हैं लेकिन वृक्षारोपण नहीं कर रहे हैं यह बहुत दुखद है बेहतर होगा ईश्वर ने आपको यदि संपन्न बनाया है तो उसका प्रदर्शन वृक्षारोपण करके समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभायें।

मीडियाः हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

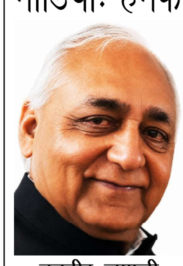

—तनवीर जाफरी—

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा ष्प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया।

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय श्गोदी मीडियाश ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। श्गोदी मीडियाश ने महिला पत्रकार के इस तरीके को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीतिष करार दिया। वहीं भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे श्सच्ची पत्रकारिताश का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आजादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन श्गोदी पत्रकारोंश पर तंज कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं। दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीका है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय—समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

महाराजा सुहेलदेव विजयोत्सव मनाया गया, प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही कार्यक्रम में हुए शामिल

संवाददाता–बहराइच। महाराजा सुहेलदेव का दो दिवसीय विजयोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन ज्येष्ठ माह के दौरान चित्तौरा झील के तट पर स्थित महाराजा सुहेलदेव स्मारक स्थल पर हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ भाजपा विधायक सुभाष त्रिपाठी, सुरेश्वर सिंह, सरोज सोनकर, अपना दल विधायक राम निवास वर्मा, विधानपरिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी, पदम सेन चौधरी और राजा यशुवेंद्र विक्रम सिंह भी मौजूद थे। प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने ऑडिटोरियम में महाराजा सुहेलदेव के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा सुहेलदेव जैसे शूरवीर को, जिन्होंने अपनी वीरता से विदेशी आक्रांताओं को पराजित किया था, वह सम्मान नहीं मिल पाया था जिसके वे हकदार थे। शाही ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से श्डबल इंजनश की सरकार ने विरासत और विकास की नीति को आगे बढ़ाया है। इसी क्रम में जनपद में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर एक भव्य स्मारक का निर्माण किया गया है और मेडिकल कॉलेज का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। प्रभारी मंत्री ने जोर देकर कहा कि इतिहास ने भले ही महाराजा सुहेलदेव के साथ अन्याय किया हो, लेकिन श्डबल इंजनश की सरकार ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने उन लोगों का भी जिक्र किया जिन्होंने धर्म और भूमि की रक्षा के लिए युद्ध में योगदान दिया था, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया। शाही ने कहा कि राष्ट्रनायकों का हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए। समारोह के दौरान जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की छात्राओं, स्थानीय कलाकारों और संस्कृति विभाग के कल्चरल ग्रुप द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

ग्रामीणों ने जबरन ट्रांसफार्मर उतारा, बिजलीकर्मी बंधक बनाए, बिजली फीडर बंद कर छीने मोबाइल फोन

संवाददाता–गोंडा। जिले के कर्नलगंज तहसील के गौरासिंहपुर में रविवार देर शाम बिजली कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों ने दूसरे गांव ले जाए जा रहे 25 केवी के एक ट्रांसफार्मर को जबरन उतार लिया। उन्होंने कर्मचारियों को बंधक बनाकर 10 केवी के जले हुए ट्रांसफार्मर की जगह 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने का दबाव बनाया।

घटना के बाद, कुछ ग्रामीण भभुआ विद्युत उपकेंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने फीडर बंद कर दिया और कर्मचारियों के मोबाइल फोन छीन लिए। इस दौरान भी कर्मचारियों के साथ गाली–गलौज की गई।

अवर अभियंता अरविंद सिंह ने गांव के अरुण कुमार, इंद्रसेन सहित 10–12 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी है। तहरीर में जबरन 25 केवी ट्रांसफार्मर उतारने, बिजली कर्मचारियों को बंधक बनाने, उसे चालू करवाने का दबाव डालने और मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। कर्नलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि तहरीर मिल गई है और मामले की जांच की जा रही है। कोतवाल के अनुसार, गौरासिंहपुर में 10 केवी का ट्रांसफार्मर जला था, जबकि दूसरे गांव में 25 केवी का ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। बिजली कर्मचारी 25 केवी का ट्रांसफार्मर दूसरे गांव ले जा रहे थे, जिसे ग्रामीणों ने रास्ते में रोककर जबरन उतार लिया।

आरोप है कि ट्रांसफार्मर न लगाने पर कर्मचारियों से गाली–गलौज की गई और बाद में विद्युत केंद्र पर भी फीडर बंद कर गाली–गलौज की गई। करनैलगंज कोतवाली पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया गया है। जांच के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अरुण कुमार और इंद्रसेन ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि बिजली कर्मचारी ट्रांसफार्मर नहीं लगा रहे हैं और झूठी शिकायतें दे रहे हैं।

जिस तेंदुए को देखकर फैला था डर, वो जंगल में मरी पाई गई, मौत पर सस्पेंस

संवाददाता–महराजगंज। सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के लक्ष्मीपुर रेंज के तहत अचलगढ़ बीट क्षेत्र में हफ्तों से दहशत का पर्याय बनी मादा तेंदुए का शव रविवार को जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। तेंदुए की मौत की वजह पर सस्पेंस बना हुआ है। मृत हालत में तेंदुए के मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए तथा जांच शुरू कर दी गई। बताया जा रहा है कि यही तेंदुआ पिछले कई दिनों से वनग्राम अचलगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में लगातार देखी जा रही थी। ग्रामीणों में उसके कारण भय का माहौल बना हुआ था। तेंदुए की गतिविधियों और संभावित हमलों को देखते हुए वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा था। ऐसे में अचानक उसका शव मिलने से कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। तेंदुआ मादा थी और उसकी उम्र लगभग आठ वर्ष बतायी जा रही है। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र को घेरकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल तेंदुए की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। रेंजर वेदप्रकाश शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद टीम को मौके पर भेजा गया है। पोस्टमार्टम

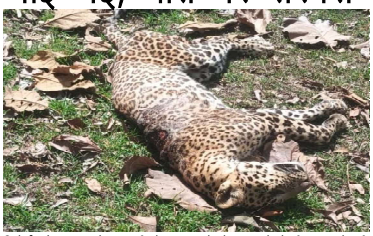

रिपोर्ट और जांच के बाद ही तेंदुए की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पिछले दिनों एक तेंदुआ महराजगंज के लक्ष्मीपुर वन विभाग के अचलगढ़ बीट के मानिकतालाब के पास दिखा था। तेंदुआ पेड़ की टहनी पर आराम फरमा रहा था और उसको देख नीचे कुछ युवक रील बना रहे थे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि 'लाइव हिन्दुस्तान' नहीं करता है। लोगों का कहना है कि तेंदुआ गर्मी और उमस से बेहाल पेड़ की ऊंची टहनी पर बैठकर आराम फरमा रहा था। उसके वजन से पेड़ की टहनी ऊपर–नीचे हो रही थी। वातावरण और पर्यावरण का तेंदुआ खूब लुत्फ उठा रहा था। वहीं लक्ष्मीपुर जंगल के इर्द–गिर्द गांव के बच्चे इस मंजर को अपने मोबाइल में कैद करने लगे थे। युवकों में रील बनाने की होड़ लग गयी थी। कुछ किशोर और युवा लकड़ी का डंडा लेकर खड़े दिख रहे थे। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी दी थी। लक्ष्मीपुर वन क्षेत्राधिकारी वेदप्रकाश शर्मा ने स्थानीय ग्रामीणों और विशेषकर युवाओं को इस संबंध में सख्त हिदायत दी था। कहा था कि तेंदुआ एक बेहद संवेदनशील और हिंसक वन्यजीव है। उसके नजदीक जाकर रील बनाना वन्यजीव कानून का उल्लंघन तो है ही, साथ ही यह सीधे–सीधे मौत को दावत देने जैसा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति वन्यजीवों को परेशान करते या उनके साथ रील बनाते पकड़ा गया, या सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल किया तो उसके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसान पर चाकू से हमल

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के भटनी थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक किसान पर धारदार हथियार से हमला किया गया। अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। यह घटना रविवार शाम करीब पांच बजे की है। भटनी नगर पंचायत के वार्ड नंबर तीन निवासी 46 वर्षीय राजेश कुमार पुत्र रामधनी किसी काम से भटनी के दल 116 क्षेत्र में गए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमले के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने गंभीर रूप से घायल राजेश कुमार को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें देवरिया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। देवरिया मेडिकल कॉलेज में भी स्थिति गंभीर बनी रहने पर चिकित्सकों ने उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेज दिया।

दुर्गा चालीसा पाठ के समापन पर निकली शोभायात्रा

संवाददाता–देवरिया। रविवार को दुर्गा चालीसा पाठ के समापन पर शहर में गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। सुभाष चौक से चीनी मिल तक बाइक व बग्घी पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान सड़क किनारे महिलायें कलश लेकर खड़ी थी। चीनी मिल के पास मैरिज हॉल में दुर्गा चालीसा पाठ के दूसरे दिन समापन हुआ। इसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। मगवती मानव कल्याण सेवा संगठन की जिला इकाई द्वारा शनिवार से शहर के चीनी मिल स्थित एक मैरिज हॉल में 24 घंटे का श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें भारी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और युवतियों ने भाग ली।

रविवार की सुबह दुर्गा चालीसा पाठ के समापन अवसर पर पहले दर्जनों बाइक सवार साफा बांधे युवकों ने सुभाष चौक से लेकर शहर के विभिन्न मार्गों पर बाइक रैली निकाली।इसके बाद सुभाष चौक से बग्घी पर देवी रूपी कन्याओं की शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजे, डीजे और ढोल नगाड़ों की धुन पर यह शोभायात्रा सुभाष चौक से चीनी मिल तक पहुंची। इस दौरान सड़क किनारे कलश लेकर खड़ी महिलाओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा के दौरान मांसाहार त्यागने और शाकाहार अपनाने के नारे लगाए गए। श्री दुर्गा चालीसा अखंड पाठ के समापन अवसर पर हजारों की संख्या में महिलाओं, पुरुषों ने भाग लिया। माता के जयकारे के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

हत्या के प्रयास मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के सलेमपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को सलेमपुर ओवरब्रिज के नीचे रेलवे लाइन के पास से पकड़ा। इस मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, थाना सलेमपुर कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में वांछित सोनू कुमार उर्फ संदीप, अर्जुन राजभर, आशीष राजभर, विश्वनाथ कुमार गोसाईं और काशी कुमार गोसाईं को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। घटना 19 मई की रात की बताई जा रही है। नवलपुर निवासी मीना तिवारी ने 23 मई को पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनका पुत्र सोनू तिवारी घर लौट रहा था, तभी परान छपरा ढाले के पास आरोपियों ने अपने साथी मुन्ना उर्फ जुमेरती के साथ मिलकर उस पर धारदार हथियार और ईंट से हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस के अनुसार, फरार आरोपी मुन्ना उर्फ जुमेरती की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही उसे पकड़ने का प्रयास जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन राजभर के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है।

गर्मी के चलते छत पर सोया था परिवार, चोरों ने घर खंगाल डाला

संवाददाता–देवरिया। भलुअनी थाना क्षेत्र के करमटार गंगा गांव में शनिवार की रात चोरों ने एक घर को खंगाल दिया। भीषण गर्मी व बिजली कटौती के चलते पूरा परिवार छत पर सोया था। चोर नकदी व लाखों रुपये का आभूषण उठा ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस, फोरेंसिक टीम व डाग स्क्वायड ने भी जांच की। पुलिस अधिकारियों ने जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर देने का दावा किया है। गांव की रहने वाली सुषमा सिंह पत्नी अनिल सिंह के परिवार के लोग भोजन करने के बाद गर्मी होने व बिजली कटौती के चलते छत पर जाकर सो गए। रात को चोर मकान के पीछे से ग्रिल तोड़कर अंदर पहुंच गए और चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे जेवरात और नकदी चुरा ली। सुबह जब परिवार के सदस्य नीचे कमरे में आए तो अवाक रह गए। कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। सुषमा सिंह के अनुसार चोर दो सोने की चेन, चार सोने की बाली, एक सोने की अंगूठी, चार पायल, चार बिछिया, एक चांदी की चेन और लगभग पांच सौ रुपये नकद चुरा ले गए। उन्होंने बताया कि अगले महीने उनकी भतीजी की शादी है, जिसके चलते सभी जेवर घर में रखे गए थे। चोरों ने कमरे में रखे लैपटॉप और मोबाइल फोन को नहीं छुआ। थानाध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही इसका पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य मेला आयोजित, 44 मरीजों का निःशुल्क उपचार

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज नगर के गांधीनगर वार्ड नंबर 16 स्थित नगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में क्षेत्रीय लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और मुफ्त दवाओं का लाभ उठाया। स्वास्थ्य मेले में कुल 44 मरीजों का पंजीकरण किया गया। चिकित्सकीय टीम ने खांसी, बुखार और जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। सभी पंजीकृत मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। इस कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. नमिता गुप्ता ने किया। उन्होंने मरीजों की स्वास्थ्य जांच करने के साथ ही उन्हें बदलते मौसम में सतर्क रहने की सलाह दी। इस दौरान फार्मासिस्ट हरिकेश बहादुर यादव, स्टाफ नर्स सुमन पाण्डेय, शिल्पा और प्रशांत सिंह, लैब टेक्नीशियन ज्योतिष, स्टाफ सपोर्ट कन्हैया व चंद्रशेखर तथा हेल्थ एटीएम ऑपरेटर मोनिका गोड सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्यकर्मियों ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता बनाए रखने, नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने और मौसम जनित बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। स्थानीय लोगों ने इस स्वास्थ्य मेले की सराहना की।

हत्या के आरोप मे दो गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। जिले के कौड़िया बाजार थाना क्षेत्र में 70 वर्षीय कन्हैयालाल यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कौड़िया पुलिस ने रविवार देर शाम ओमप्रकाश पांडेय और उपेंद्र पांडेय को हिरासत में लिया। यह घटना शनिवार देर शाम आमाडीह तेलियाकोट में हुई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने नशे की हालत में कन्हैयालाल के बेटे चंदन के साथ मारपीट की थी। जब पिता कन्हैयालाल अपने बेटे को बचाने पहुंचे, तो आरोपियों ने उन पर भी लाठी–डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में चंदन और कन्हैयालाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को इलाज के लिए बहराइच जिले में भर्ती कराया गया, जहां 70 वर्षीय कन्हैयालाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। 38 वर्षीय चंदन का इलाज अभी जारी है। घायल चंदन के पुत्र अतुल यादव ने कौड़िया थाने में ओमप्रकाश उर्फ दद्दन पांडे और उपेंद्र पांडे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गुदगुदिया रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार किया। उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कौड़िया थाना अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह विवाद पैसे के लेनदेन को लेकर हुआ था। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– T201817140200174

धारा 116 उ0प्र0ठ0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर जिला बस्ती

मुन्नुलाल उर्फ ध्रुवराज

बनाम

कृष्ण भवन आदि

1. कृष्ण यादव 2. कृष्ण मुरारी यादव पुत्रगण राम उजागिर 3–1/2 श्रीमती महरानी पत्नी राम उजागिर साकिनान भगवानपुर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति/अध्यक्ष ग्राम पंचायत तेनुआ तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

जंगल से भटककर आम की बाग में पहुंची मादा तेंदुआ, कटीले तार में फंसने से मौत

संवाददाता–बलरामपुर। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग अंतर्गत बनकटवा रेंज क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने वन विभाग के साथ–साथ ग्रामीणों को भी झकझोर कर रख दिया। तुलसीपुरदुसिरसिया मार्ग पर स्थित चौधरीडीह गांव के दक्षिण जंगल से भटककर निकली करीब तीन वर्ष की एक मादा तेंदुआ आम के बाग में लगाए गए तार में फंस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

रविवार सुबह करीब आठ बजे गांव के बाहर स्थित आम के बाग में रखवाली कर रहे लोगों ने एक तेंदुए को छटपटाते हुए देखा। पास जाकर देखने पर पता चला कि मादा तेंदुए की गर्दन बाग में लगे लोहे के तार में बुरी तरह फंस गई थी। तेंदुआ काफी देर तक खुद को छुड़ाने का प्रयास करता रहा, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। लगातार संघर्ष और दम घुटने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को जानकारी दी। सूचना पाकर

बनकटवा रेंज के रेंजर शत्रुघ्न लाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वन विभाग की टीम ने मृत तेंदुए को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय पहुंचाया।

ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से जंगल से सटे इलाकों में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ गई है। खेतों और बागों में सुरक्षा के लिए लगाए गए तार वन्यजीवों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर मानव और वन्यजीव संघर्ष की गंभीर समस्या को उजागर कर दिया है। इस संबंध में उप प्रभागीय वनाधिकारी (एसडीओ) मनोज कुमार ने बताया कि मादा तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की पैनल टीम द्वारा बनकटवा रेंज में कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला तार में फंसने से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। वन विभाग की टीम पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं वन्यजीव प्रेमियों ने इस घटना पर चिंता जताते हुए जंगल से सटे इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था और वन्यजीव संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

उधर, बहराइच वन्यजीव प्रभाग के चकिया वन रेंज अंतर्गत मौजीपुरवा गांव में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक तेंदुआ अचानक ग्रामीण के घर में घुस गया। तेंदुए के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर तेंदुए को पकड़ने के प्रयास में जुट गई।

सुबह करीब 7 बजे मौजीपुरवा गांव निवासी मोहम्मद अहमद के घर में अचानक जंगल से भटककर एक तेंदुआ घुस आया। घर के लोगों ने तेंदुए को देखते ही शोर मचाया और किसी तरह जान बचाकर बाहर भागे। शोर सुनकर आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ती देख तेंदुआ घर के अंदर बने एक कमरे में घुसकर छिप गया। इस दौरान तेंदुए को बाहर निकालने की कोशिश के बीच वह अचानक उग्र हो गया और उसने गांव निवासी नसीम, फजलू रहमान तथा जुबेर पर हमला कर पंजा मार दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। घायलों का स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया।

रात में शौच के लिए निकली नाबालिग लड़की को जबरन उठा ले गए दरिंदे, तमंचे दिखाकर गैंगरेप

संवाददाता–महराजगंज। जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आरोप, लड़की के गांव के ही तीन युवकों पर लगा है। लड़की रात में शौच के लिए घर से निकली थी। तभी युवकों ने उसे जबरन उठा लिया और अपने साथ ले गए। तमंचे के बल पर उन्होंने लड़की के साथ बारी–बारी रेप किया। यही नहीं इस घिनौनी करतूत का उन्होंने वीडियो भी बना लिया। घटना महराजगंज के पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार लड़की की उम्र 16 साल है। उसकी मां ने महराजगंज के पनियरा थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर में लड़की की मां ने आरोप लगाया है कि गांव के ही तीन युवकों ने तमंचा दिखाकर बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। यही नहीं गैंगरेप के दौरान उसका अश्लील वीडियो भी बनाया। इस घटना के सामने आने से गांव में लोग हैरान रह गए हैं।

पीड़िता की मां द्वारा पनियरा थाने में दी गई तहरीर के अनुसार कक्षा नौ की छात्रा 18 मई की रात करीब ग्यारह बजे शौच के लिए बाहर गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद गांव के तीन युवक उसे जबरन उठा ले गए। तमंचे के बल पर जान से मारने की धमकी देकर उन्होंने लड़की के साथ बारी–बारी से दुष्कर्म किया। तीनों आरोपितों ने इस घिनौनी करतूत का वीडियो भी बना लिया। गैंगरेप की घिनौनी वारदात के बाद उन्होंने लड़की को धमकी दी कि किसी को बताया तो जान से मार देंगे। तीनों युवकों के आतंक से डर के कारण पीड़ित नाबालिग लड़की घर तो लौटी लेकिन घटना के बारे में अपने परिवारीजनों को कुछ बताने की हिम्मत नहीं जुटा सकी।

नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का यह मामला शायद कभी सामने नहीं आता यदि आरोपियों ने गांव के कुछ दूसरे युवकों को गैंगरेप के दौरान बनाया गया लड़की का अश्लील वीडियो न दिखाया होता। गांव में कुछ युवकों ने यह वीडियो देखा तो बात फैल गई। इसकी भनक पीड़ित लड़की की मां को भी लगी। तब मां ने अपनी बेटी से इस बारे में पूछताछ की। मां के पूछने पर बेटी का दर्द छलक गया। उसने अपने साथ हुई वारदात सारी बातें अपनी मां को बता दीं। इसके बाद मां ने बेटी को ढांढस बंधाया, समझाया और उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश जारी है।

इस बारे में पूछे जाने पर पनियरा थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राजा राम गोपाल लॉ.कालेज, डुयोढी सोहावल अयोध्या (एल.एल.बी. पंचवर्षीय) में आवश्यकता है

स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अर्न्तगत (एल.एल.बी. पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम में एल.एल.बी. प्रवक्ता 4 पद तथा (एल.एल.बी. पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम के अर्न्तगत (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र) विषयों में– 01– 01 प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। **योग्यता एवं वेतनमानः**– यूजीसी एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी 14 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण–पत्रों की दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ कालेज के उपरोक्त पते पर आवेदन करें।

प्रबन्धक, राम गोपाल सिंह – मो0 8840063283, 8808750268

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com

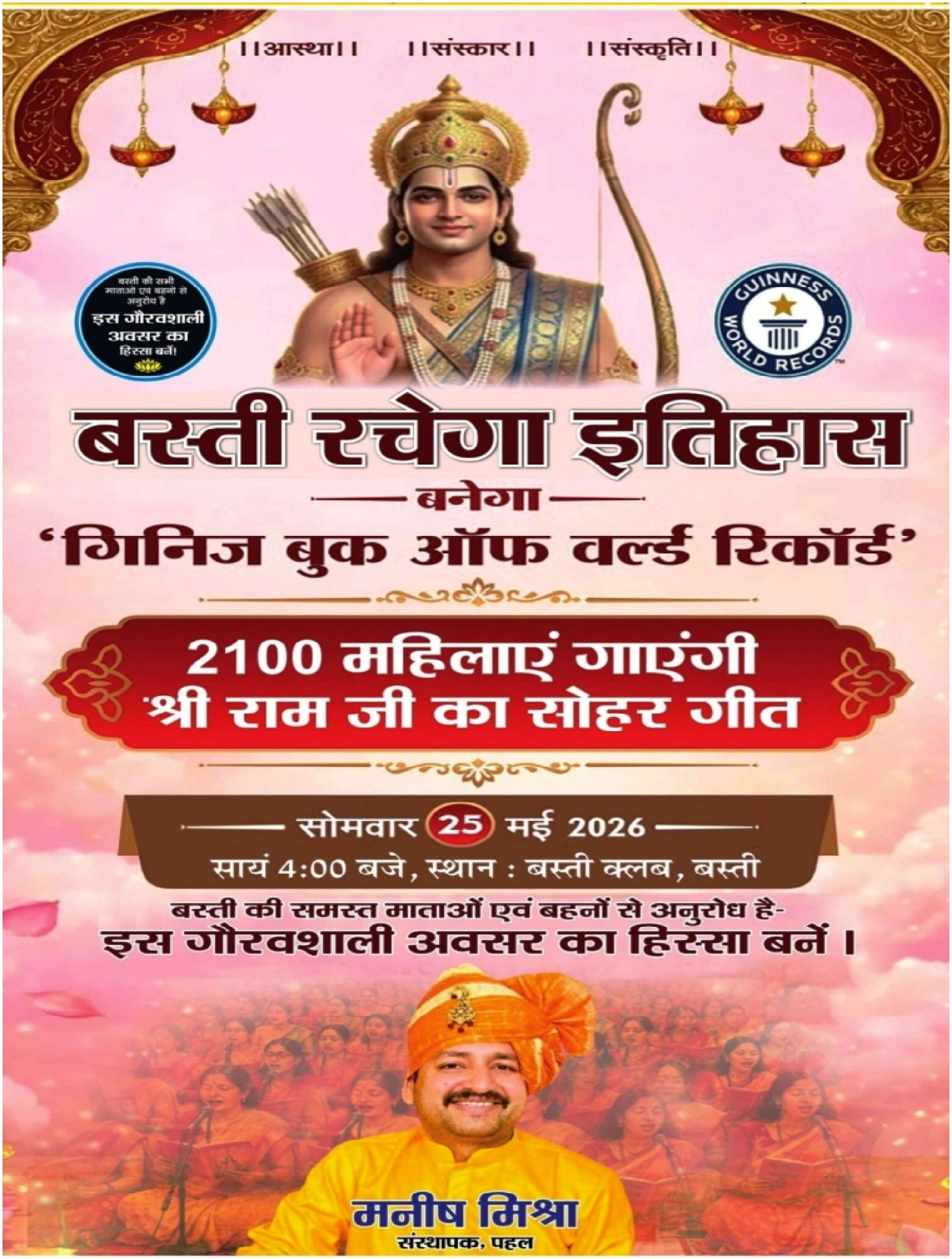
।।आस्था।। ।।संस्कार।। ।।संस्कृति।।
बस्ती की सभी माताओं एवं बहनों से अनुरोध है
इस गौरवशाली अवसर का हिस्सा बनें!
GUINNESS WORLD RECORDS
बस्ती रचेगा इतिहास
बनेगा
'गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड'
2100 महिलाएं गाएंगी
श्री राम जी का सोहर गीत
सोमवार 25 मई 2026
सायं 4:00 बजे, स्थान : बस्ती क्लब, बस्ती
बस्ती की समस्त माताओं एवं बहनों से अनुरोध है-
इस गौरवशाली अवसर का हिस्सा बनें।
मनीष मिश्रा
संस्थापक, पहल